नई दिल्ली। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के लिहाज से बड़ी परीक्षा माने जा रहे दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आज हुए मतदान में रिकॉर्ड 66 प्रतिशत मतदाताओं ने भाग लिया। भाजपा और आम आदमी पार्टी ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है।

भाजपा ने कांग्रेस को चौथी बार आने से रोकने के लिए भरसक प्रयास की। वहीं पहली बार मैदान में उतरी अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी ने भी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर दोनों बड़े दलों को घेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। दिल्ली के कुल 1.19 करोड़ मतदाताओं में से करीब 80 लाख ने 810 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस जहां एक बार फिर सत्ता में आने के लिए आतुर है वहीं हर्षवर्द्धन की अगुवाई में भाजपा और केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने भी पूरी ताकत लगा दी है।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजयदेव ने शाम को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मतदान करीब 66 प्रतिशत रहा है। चुनाव में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।''

उन्होंने बताया कि शाम करीब छह बजे तक लगभग 70,000 लोग कतारों में खड़े थे।

आज दिल्ली में हुआ मतदान यहां पिछले दो दशक में हुए सभी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में एक रिकॉर्ड है।

आज सुबह सबसे पहले मतदान करने वालों में उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी, मुख्यमंत्री शीला दीक्षित, भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हर्षवर्द्धन आदि शामिल रहे।